प्रथम सेमेस्टर

MHI1T01 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थी को साहित्य की परंपरा का बोध कराना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से परिचित कराना।
- विद्यार्थी को आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक के साहित्यकारों, प्रवृत्तियों, चिंतन पद्धतियों का बोध प्राप्त हो सकेगा।

इकाई – 1

साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा

इतिहास लेखन की पद्धतियाँ

साहित्येतिहास लेखन की समस्याएँ

काल विभाजन, नामकरण

इकाई – 2

आदिकाल की पृष्ठभूमि

नामकरण और काल विभाजन

आदिकाल की प्रवृत्तियाँ

प्रतिनिधि धारा और प्रमुख कवि

इकाई – 3

भक्ति आन्दोलन

भक्ति का सामाजिक व सांस्कृतिक स्वरूप

भक्तिकाल के प्रमुख कवि

भक्ति की प्रमुख शाखाएँ और कवि

इकाई – 4

रीतिकाल का सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश

रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य

रीतिकाल के प्रमुख कवि

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास की जानकारी दे सकेगा।
- विद्यार्थी साहित्य और समाज के अंतःसंबंध की जानकारी दे सकेगा ।
- विद्यार्थी साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परख कर उसे विश्लेषित कर सकेगा।

- विद्यार्थी सामाजिक एकीकरण और समाज के उत्थान के लिए कवियों द्वारा किये गये प्रयत्नों की जानकारी दे सकेगा।
- विद्यार्थी सांस्कृतिक बहुलता का बोध कर सकेगा।

संदर्भ ग्रंथ –

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका
3. बच्चन सिंग – हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
4. नगेंद्र – हिंदी साहित्य का इतिहास
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – गणपतिचंद्र गुप्त
6. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास –रामकुमार वर्मा
7. षट्कवि :विवेचनात्मक अध्ययन भाग-1, 2 –डॉ ओमप्रकाश शर्मा
8. सूरदास : एक पुनरावलोकन–डॉ ओमप्रकाश शर्मा

MHI1T02 मध्यकालीन काव्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थी को मध्यकालीन साहित्य की विशेषताओं की समझ प्रदान करना।
- विद्यार्थी को समूचे मध्यकाल के प्रतिनिधि कवियों के वैशिष्ट्य से भलीभाँति परिचित कराना।
- विद्यार्थी को हिन्दी साहित्य की व्यापक समझ के लिए कबीर, सूर, तुलसी, जायसी, घनानंद, बिहारी आदि कवियों के कृतित्व का बोध कराना।
- विद्यार्थी की शोध वृत्ति का विकास कराना।

इकाई – 1

भक्तिकालीन पृष्ठभूमि

भक्ति आन्दोलन : उद्भव एवं विकास

भक्ति आन्दोलन की विविध काव्य धाराएँ

इकाई – 2

कबीर–कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी-पद 160-209), कबीर की भक्तिभावना, काव्य कला, समाज दर्शन, कबीर की भाषा

मालिक मुहम्मद जायसी–नागमती वियोग खंड–प्रेम भावना, लोक तत्त्व, काव्य दृष्टि

इकाई – 3

सूरदास–भ्रमरगीत सार (सं. रामचंद्र शुक्ल पद 21–50) भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन

तुलसीदास–रामचरितमानस उत्तरकांड, भक्ति भावना, लोकमंगल की भावना, काव्य दृष्टि

इकाई – 4

बिहारी–बिहारी सतसई (सं.जगन्नाथ दास रत्नाकर–दोहे 1– 25), सौंदर्य भावना, काव्य कला

घनानंद–घनानंद कवित्त (सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र–कवित्त संख्या 1–15), स्वछंद योजना, प्रेम भावना

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी भारत के मध्यकालीन साहित्य में चित्रित समाज की प्रवृत्तियों का परिचय दे सकेगा।
- विद्यार्थी विविध संस्कृतियों और दशाओं का तात्विक परिचय दे सकेगा।
- विद्यार्थी काव्यभाषा के विविध रूपों को समझ पायेगा।
- विद्यार्थी में सामाजिक संगठन के लिए, समस्याओं के निवारण के लिए नैतिक बल व वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण से कार्य कर सकेगा।
- विद्यार्थी में मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होगी।

29/08/2022

29/8/2022

संदर्भ ग्रंथ –

1. कबीर-हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. पद्मावत-जायसी
3. भ्रमरगीत सार-रामचंद्र शुक्ल
4. रामचरितमानस – गीता प्रेस गोरखपुर
5. बिहारी सतसई-सं. जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
6. घनानंद कवित्त-सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी काव्यधारा- राहुल सांस्कृत्यायन
8. जायसी-विजयदेव नारायण साही
9. कबीर- विजयेंद्र स्नातक
10. गोस्वामी तुलसीदास -रामचंद्र शुक्ल
11. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य-मैनेजर पांडेय
12. सनेह को मार्ग – इमरै बंधा
13. जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
14. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन भाग-1, 2 –डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
15. सूरदास : एक पुनरावलोकन–डॉ ओमप्रकाश शर्मा

MHI1T03 (A) अनुवाद अध्ययन

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थी में भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद के महत्व की समाज विकसित करना।
- विद्यार्थी में बहुभाषी समाज के साथ-साथ वैश्विक समाज के साथ जुड़ने की क्षमता विकसित करना।
- विद्यार्थी को अनुवाद प्रक्रिया, प्रविधि का बोध कराते हुए उनमें कुशल अनुवादक के गुणों का विकास करना।

इकाई – 1

अनुवाद – अर्थ : परिभाषा और संकल्पना

अनुवाद के सिद्धांत

अनुवाद कला अथवा विज्ञान

अनुवाद के तत्त्व

इकाई – 2

अनुवाद के क्षेत्र, प्रकार और प्रविधि

मशीनी अनुवाद, विज्ञापन में अनुवाद

वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद

इकाई – 3

अनुवाद के उपकरण

अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

इकाई – 4

अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्त्व

अनुवाद की समस्याएँ

दुभाषिया प्रविधि और उसकी प्रासंगिकता

❖ **प्रायोगिक कार्य : शिक्षक द्वारा निर्धारित कौशलपरक/प्रायोगिक कार्य करना होगा।**

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थी अनुवाद की प्रविधि बता पायेगा।
- विद्यार्थी मशीनी अनुवाद करते समय सहायक के रूप में कार्य कर पायेगा।
- विद्यार्थी अनुवाद पुनरीक्षण तथा मूल्यांकन का कार्य कर सकेगा।
- विद्यार्थी अनुवाद के क्षेत्र में कार्य करके रोजगार प्राप्त कर पायेगा।

24/08/2022

29/8/2022

संदर्भ ग्रंथ –

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – नगेंद्र
2. अनुवाद एवं भाषांतरण– (सं.) रविन्द्र गर्गेश, कृष्णकुमार गोस्वामी,
3. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – जी. गोपीनाथन
4. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद : भाषाएं समस्याएं - विश्वनाथ अय्यर- ज्ञान गंगा प्रकाशन दिल्ली
6. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग –डॉ. सोनटक्के-चंद्रलोक प्रकाशन कानपुर
7. अनुवाद विधान - राम गोपाल सिंह - शांति प्रकाशन रोहतक
8. अनुवाद क्या है? – सं. राजमल बोरा - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
10. अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन - लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
11. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्णकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |
12. अनुवाद साधना–पूरनचंद टंडन- अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली |

MHI1T03 (B) हिंदी उपन्यास

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थी में उपन्यास के अध्ययन द्वारा उपन्यास लेखन कला का विकास करना।
- विद्यार्थी को उपन्यास के तत्वों से परिचित कराना।
- विद्यार्थी में उपन्यास तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- विद्यार्थी को उपन्यास की संरचना और शिल्प का परिचय कराना।

इकाई – 1

उपन्यास – उद्भव व विकास

उपन्यास – स्वरूप, तत्त्व व प्रकार

इकाई – 2

लाला श्रीनिवासदास – परीक्षा गुरू

प्रेमचंद – गोदान

इकाई – 3

हजारी प्रसाद द्विवेदी – बाणभट्ट की आत्मकथा

अज्ञेय – शेखर एक जीवनी (भाग – 1)

इकाई – 4

फणीश्वरनाथ रेणु – मैला आँचल

भीष्म साहनी – तमस

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थियों को उपन्यास साहित्य का बोध होगा।
- विद्यार्थी उपन्यास के तत्वों की जानकारी दे सकेगा।
- विद्यार्थी उपन्यास के तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण कर सकेगा।
- विद्यार्थी उपन्यास की संरचना और शिल्प के बारे में बतला सकेगा।
- विद्यार्थी उपन्यास के उद्भव और विकास के बारे में बतला पायेगा।

29/8/2022

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी उपन्यास – शिवनारायण श्रीवास्तव
2. हिंदी उपन्यास स्थिति और गति – चंद्रकांत बांदिवडेकर
3. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र
4. हिंदी साहित्य इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
5. आधुनिक हिंदी सहित्य का इतिहास – बच्चन सिंह
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
7. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख – इन्द्रनाथ मदान
9. रेणु रचनावली-सं. भारत यायावर

MHI1T04 (A) हिंदी कहानी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थी में हिन्दी कहानी के अध्ययन द्वारा कहानी लेखन कला का विकास करना।
- विद्यार्थी को कहानी के तत्वों से परिचित कराना।
- विद्यार्थी में कहानी तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- विद्यार्थी को कहानी की संरचना और शिल्प का परिचय कराना।

इकाई 1

हिंदी कहानी : परिभाषा, स्वरूप और तत्त्व
नई कहानी अर्थ, स्वरूप
समकालीन कहानी अर्थ स्वरूप

इकाई 2

माधवराव सप्रे – एक टोकरीभर मिट्टी
प्रेमचंद – दुनिया का अनमोल रतन
चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' – उसने कहा था
जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप

इकाई 3

फणीश्वरनाथ रेणु – लाल पान की बेगम
अज्ञेय – गैंग्रीन
कमलेश्वर – राजा निरबंसिया
निर्मल वर्मा – परिंदे

इकाई 4

भीष्म साहनी – चीफ की दावत
राजेंद्र यादव – जहाँ लक्ष्मी कैद है
अमरकांत – जिंदगी और जोक
कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थियों को कहानी साहित्य का बोध होगा।
- विद्यार्थी कहानी के तत्वों की जानकारी दे सकेगा।
- विद्यार्थी कहानी के तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण कर सकेगा।
- विद्यार्थी को कहानी की संरचना और शिल्प के बारे में बतला सकेगा।
- विद्यार्थी कहानी के उद्भव और विकास के बारे में बतला पायेगा।

संदर्भ ग्रंथ –

1. कहानी नई कहानी - नामवर सिंह
2. कहानी का इतिहास – गोपाल राय
3. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
4. कहानी स्वरूप और संवेदना – राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
6. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
7. समकालीन हिंदी कहानी – पुष्पपाल सिंह
8. हिंदी कहानी : पहचान और परख – इन्द्रनाथ मदान
9. समकालीन कहानी की पहचान – नरेंद्र मोहन

MHI1T04 (B) हिन्दी निबंध

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- विद्यार्थी में निबंध के अध्ययन द्वारा उपन्यास कला का विकास करना।
- विद्यार्थी को निबंध के तत्वों से परिचित कराना।
- विद्यार्थी में निबंध तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण की क्षमता विकसित करना।
- विद्यार्थी को निबंध की संरचना और शिल्प का परिचय कराना।

इकाई 1

निबंध – अर्थ, स्वरूप व प्रकार
निबंध के तत्त्व और शैली
निबंध की विकास यात्रा

इकाई 2

भारतेंदु – भारतवर्ष की उन्नति कैसे होगी
प्रेमचंद – महाजनी सभ्यता
महावीर प्रसाद द्विवेदी – हंस का नीरक्षीर विवेक
बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

इकाई – 3

रामचंद्र शुक्ल –भाव या मनोविकार
हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाख़ून क्यों बढ़ते हैं?
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

इकाई – 4

गुलाब राय – भारतीय संस्कृति
नंददुलारे वाजपेयी – नवीन यथार्थवाद
रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी तत्त्व
नामवर सिंह – संस्कृति और सौंदर्य

शैक्षिक परिणाम :-

- विद्यार्थियों को निबंध साहित्य का बोध होगा।
- विद्यार्थी निबंध के तत्वों की जानकारी दे सकेगा।
- विद्यार्थी निबंध के तत्वों के आधार पर विवेचन-विश्लेषण कर सकेगा।
- विद्यार्थी निबंध की संरचना और शिल्प के बारे में बतला सकेगा।
- विद्यार्थी निबंध के उद्भव और विकास के बारे में बतला पायेगा।

संदर्भ ग्रंथ –

1. निबंध निलय – सत्येंद्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. चिंतामणी1,2 – रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. नगेंद्र
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी व्यक्तित्व एवं साहित्य – सं.रामचंद्र शुक्ल
6. भारतेंदु हरिश्चंद्र – रामविलास शर्मा
7. भारतेंदु ग्रंथावली – मिथिलेश पाण्डेय